(c) CIL had purchased 92 nos. of Very Small Aperture Terminals (VSATs) for linking up with RABMN owned by the Deptt. of Telecom for installation in different subsidiary companies of CIL. Of these, 39 teminals were rendered idle after being in use for some time due to reorganisation of areas and mines in Eastern Coalfields Ltd.. Of these 14 have been relocated leaving 25 idle for the present.

(d) The cost of each VSAT is Rs. 7,44,676.70. These machines were purchased in 1992 for facilitating point to point data communication connecting different areas within the subsidiary companies by using Deptt. of Telecom RABMN as part of Coalnet.

This communication system using Deptt. of Telecom facilities was cheaper than the dedicated communication system. The purchases were necessary to upgrade the communication network in CIL.

मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में चावल भंडारण की अपर्याप्त व्यवस्था

*211. **श्री राघवजी:** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश के चावल उत्पादक क्षेत्र छत्तीसगढ़ में चावल भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है;

(ख) यदि हां, तो क्या वहां नए गोदाम बनाने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो नए गोदाम किन-किन स्थानों पर और कब तक बनाए जायेंगे; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव): (क) से (घ) भारतीय खाद्य निगम ने सूचित किया है कि छत्तीसगढ़ क्षेत्र में उसके पास पर्याप्त भंडारण क्षमता है। 1.2.1997 को स्थिति के अनुसार इसकी क्षमता और इसकी उपयोगिता निम्नानुसार थी:—

(लाख टन में)

भारतीय खाद्य निगम जिला	भंडारण क्षमता	प्रतिशत उपयोगिता
बिलासपुर	1.98	61%
रायपुर	3.99	63%
दुर्ग	1.78	42%
जोड़:	7.75	57%

भारतीय खाद्य निगम के पास पहले सी ही उपलब्ध भंडारण क्षमता के अलावा केन्द्रीय भंडारण निगम से किराये पर लेने के लिए गोदाम भी उपलब्ध हैं। यह सूचित किया गया है कि मध्य प्रदेश राज्य भांडागार निगम के पास भी छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 5.16 लाख टन की क्षमता उपलब्ध है। फिर भी भारतीय खाद्य निगम की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निगम की योजना है कि धमतरी में 10000 टन क्षमता के गोदाम का निर्माण किया जाए बशर्ते कि निधियां उपलब्ध हों।

Losses Incurred by Hindustan Copper Limited

*212. SHRI S. MUTHU MANI: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) the total amount of loss incurred by the Hindustan Copper Limited (HCL) during April-November, 1996 and there reasons therefor;

(b) whether the HCL has sought short term loan from Government to meet its immediate capital expenditure, input, wages etc.;

(c) if so, action taken by Government to release the said short term loan to HCL;

(d) whether the HCL has urged the Government to raise customs duty on copper; and

(e) if so, the details of the action taken by Government on the above?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI